

2010
कलारी

2100
कलारी

गरीबी वह सामाजिक
और आर्थिक स्थिति होती है
जिसमें लोग अपनी मूलभूत
आवश्यकताओं (Basic needs)
को भी पूरा नहीं कर सकते हैं।

• क्षमताओं का अभाव गरीबी है।

↓
The lack of capabilities is poverty.

उन्हे ही कारण है कि
उनके द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य पर

जोर दिया गया। [IAS-II, Mains]

उपरोक्त सन्दर्भ में प्रो०

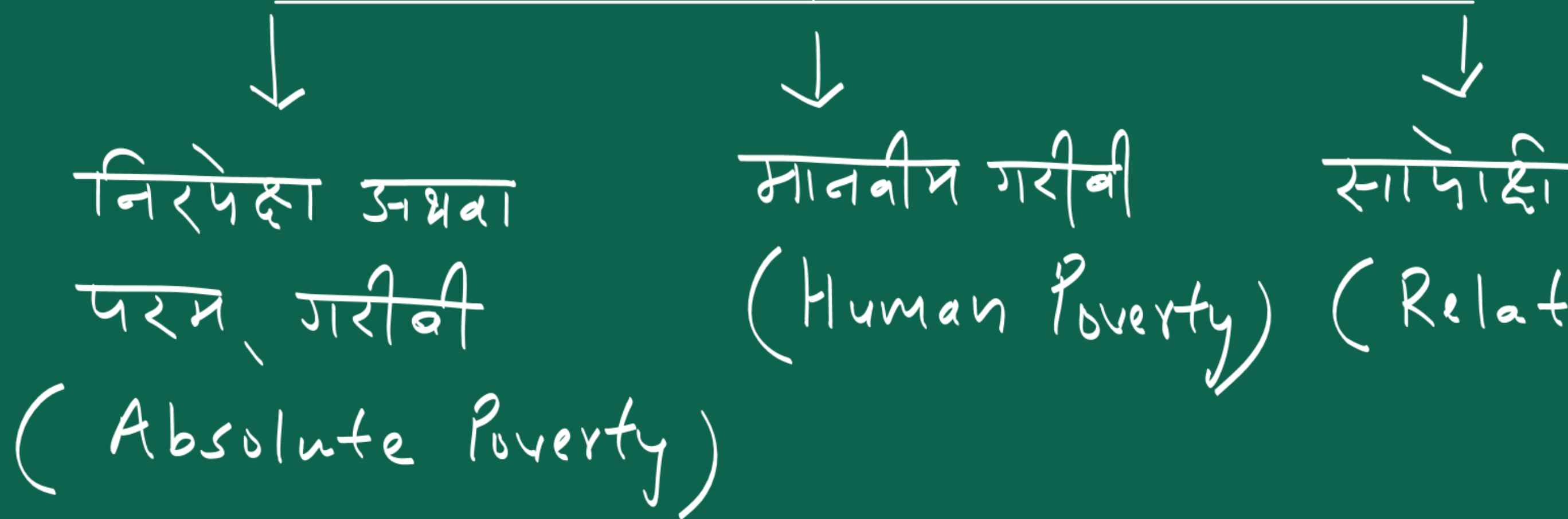
अमर्ष लेन वास्तविक गरीबी (Real

Development
As
Freedom



Chapter-4

गरीबी के प्रकार (Types of Poverty)



निरपेक्ष / परम, गरीबी में

लोग आपनी इजा में आवश्यकताओं
को भी पूरा नहीं कर पाते हैं।

मानवीय गरीबी की

पहचान के लिए इजा में साथ-२

शिक्षा, स्वास्थ्य आदि में न्यूनतम

स्तर को देखा जाता है और यदि

लोग उसे पूरा नहीं कर पा रहे
हैं तो यह माना जाता है कि
वे मानवीय गरीबी से पीड़ित हैं।

सापेक्षिक गरीबी में
लोगों में जीवन स्तर में अंतरों
को देखा जाता है और यदि
उनमें अंतर होता है तो यह माना

समाज में जीवन स्तर में अंतरों को
पूर्ण रूप से समाप्त नहीं किया जा सकता
है, इसलिए विश्व बैंक यह कहता है कि -

• We are always to live
with poverty.

हमें सदैव ही गरीबी में साथ रहना
होगा।

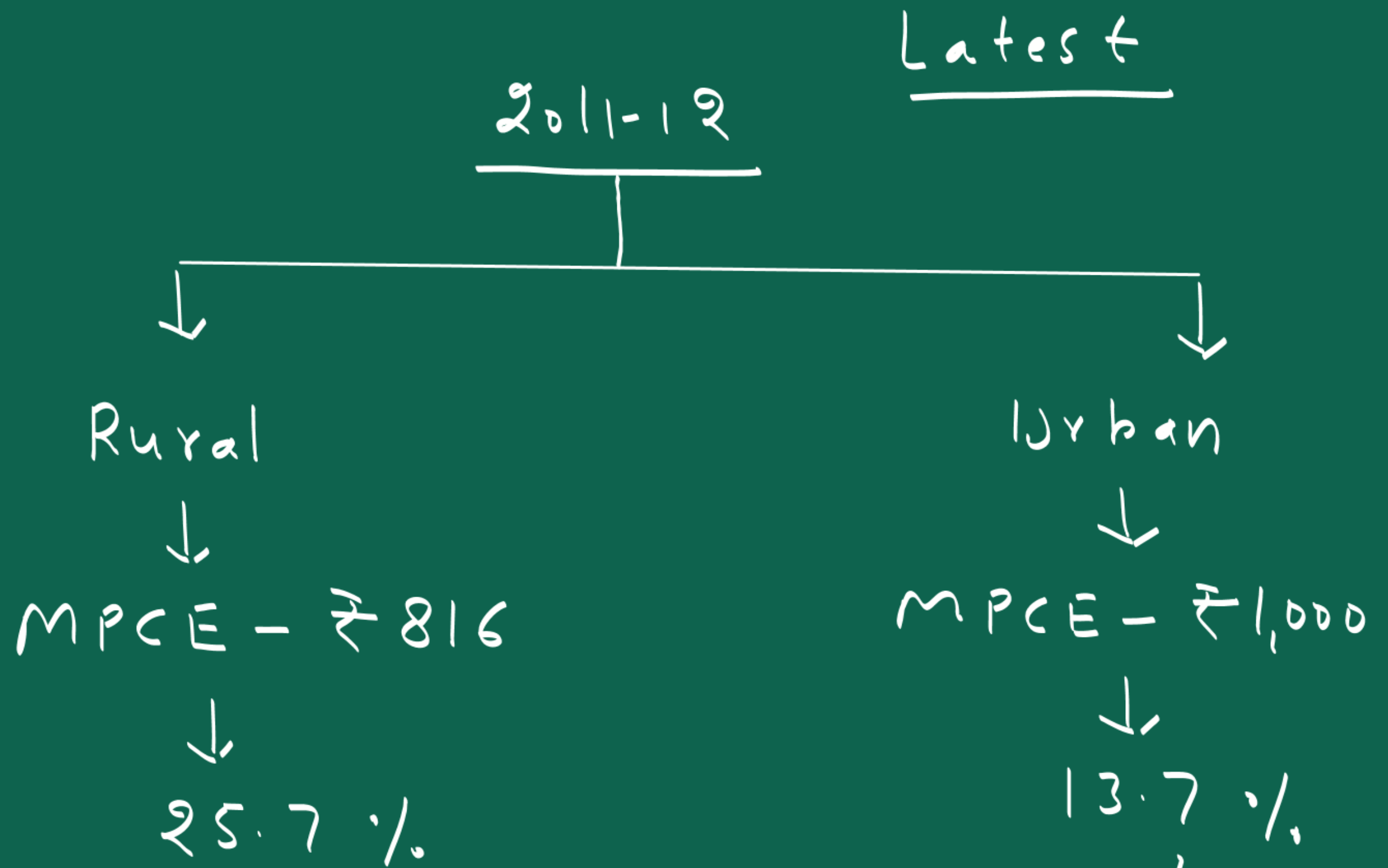
कई बार, सामाजिक गरीबी
निरपेक्ष। मानवीय गरीबी में झोर
ले जाती हैं। यह उस समय होता
है जब लोग Social exclusion

(सामाजिक बहिष्करण) में इन्हें
ले अपनी क्षमता से अधिक
दिरवावा करने वाली वस्तुओं पर
अधिक खर्च करने लगते हैं।

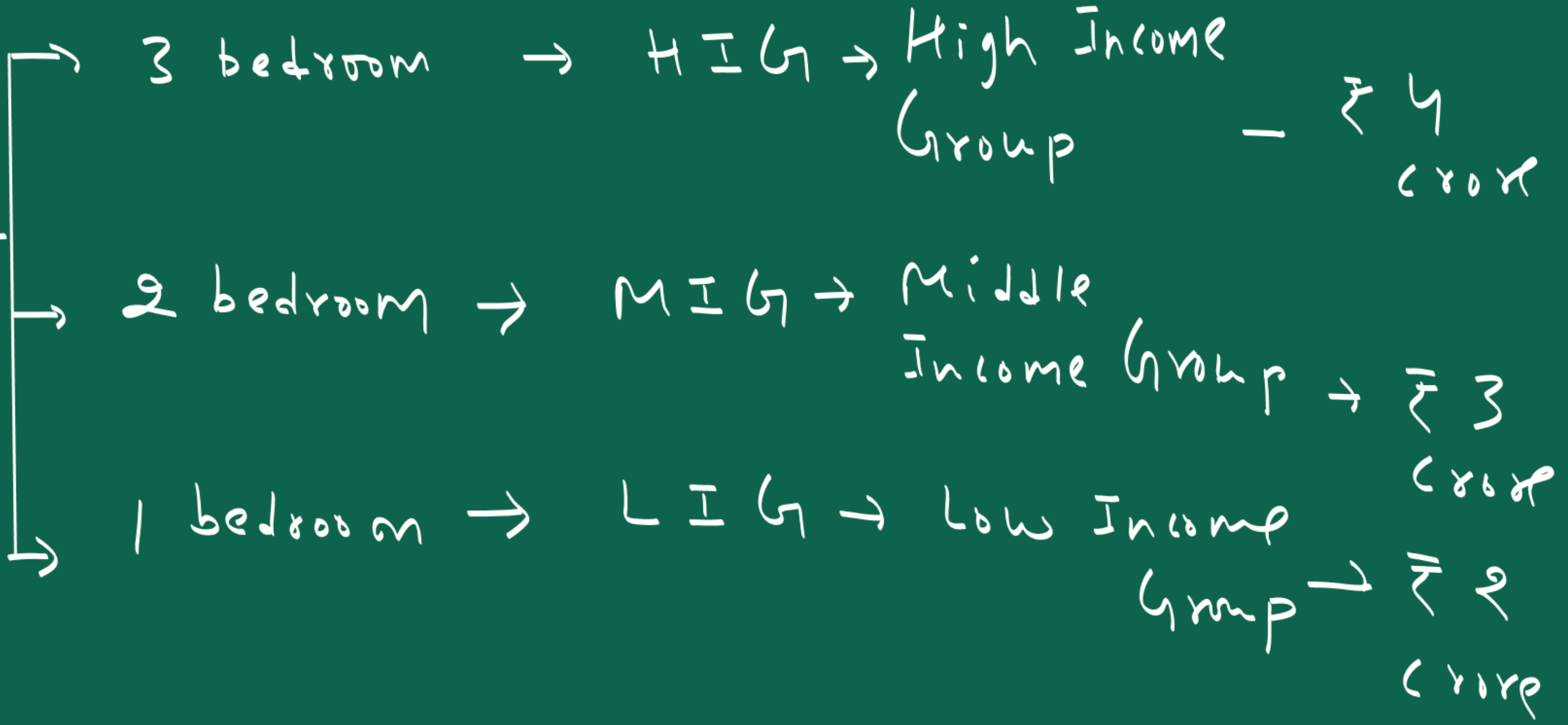
↓

इसके अन्तर्गत लोगों में
MPCIE (Monthly Per Capita
Expenditure प्रति व्यक्ति मासिक खर्च
से) होते जाते हैं। यदि वे निर्धारक स्तरों
से कम प्राप्त करते हैं तो सम्बन्धित लोगों
को निर्धन अनुमानित किया जाता है।





ts



Q. प्रो. अमरुत सेन द्वारा
शिक्षा और स्वास्थ्य पर
कोर फ़ो. दिया गया।

अतः जरी का इस सामान्य
और आर्थिक स्थिति है ।

ANS.

जरी की वृद्धि —————
————— |

~~निष्कर्ष~~

जराब सीमापक स्थिति

से लक्ष्य प्रे° ।

विश्व

